Brihaspati Vrat Katha Pdf Download 30

विश्वरूपा के तीन मुख थे । एक मुख से वह सोमपल्ली लता का रस निकाल पीते । दूसरे मुख से मदिरा पीते और तीसरे मुख से अन्नादि भोजन करते । इन्द्र ने कुछ दिनो उपरान्त कहा की मै आपकी कृपा से यज्ञ करना चहता हूँ । जब विश्वरूपा की आज्ञानुसार यज्ञ प्रारम्भ हो गया तब एक दैत्य ने विश्वरूपा से कहा कि तुम्हारी माता दैत्य की कन्या है। इस कारण हमारे कल्याण के निमित्त एक आहुती दैत्यो के नाम पर भी दे दिया करो तो अति उत्तम बात है। विश्वरूपा उस दैत्य का कहा मान कर आहुति देते समय दैत्य नाम भी धीरे से लेने लगा। इसी कारण यज्ञ करने से देवताओ का तेज नही बढ़ा। इन्द्र ने यह वृतान्त जानते ही, कोधित होकर विश्वरूपा के तीन सर काट डाले। मद्यपान करने से भंवरा, सोमपल्ली पीने से कबूतर और अनन खाने से मुख से तीतर बन गया। विश्वरूपा के मरते ही इन्द्र का स्वरूप ब्रह्मात्या के प्रभाव से बदल गया। देवताओ के एक वर्ष के पश्चताप करने पर भी ब्रह्मात्या का वह पाप न छुटा तो सब देवताओ के प्रार्थना करने पर ब्रह्माजी बृहस्पति जी के सहित वहाँ आए। उस ब्रह्मात्या के चार भाग किये । उनमे से एक भाग पृथ्वी को दिया इसी कारण धारती कही-कही उँची-नीची और बीज बोने के लायक भी नही होती । साथ ही ब्रह्माजी ने यह वरदान भी दिया जहाँ पृथ्वी मे गढा होगा, कुछ समय पाकर स्वयं ही भर जाएगा । दूसरा वृक्षो को दिया जिससे उनमे से गोंद बन कर बहता है। इस कारण गूगल के अतिरिक्त सभी गोंद अशुद्ध समझे जाते है। वृक्षो को यह वरदान भी दिया की उपर से सूख जाने पर जड़ फिर फूट जाती है । तीसरा भाग स्त्रियो को दिया, इसी कारण स्त्रियाँ हर महीने रजस्वला हो कर पहले दिन चांदालनी, दूसरे दिन ब्रह्मघातनी और तीसरे दिन धोबिन के समान रहकर चौथे दिन शुद्ध होती है और सन्तान प्राप्ति का उनको वरदान दिया । चौथा भाग जल को दिया जिससे फेन और सिवाल आदि जल के उपर आ जाते है । जल को यह वरदान मिला कि जिस चीज मे डाला जाएगा, वह बोझ से बढ़ जायेगी । इस प्रकार इन्द्र को ब्रह्मात्या के पाप से मुक्त किया । जो मनुष्य इस कथा को पढ़ता या सुनता है उसके सब पाप बृहस्पति जी महाराज की कृपा से नष्ट होते है । ।। समाप्त ।।

[Brihaspati Vrat Katha Pdf Download 30]

0-WEB.ru

Brihaspativar Vrat Katha [Manoj Publications Ed.] on Amazon.com. *FREE* ... have a Kindle? Get your Kindle here, or download a FREE Kindle Reading App.. 26 Jul 2018 ... Vrat Katha in Hindi in pdf, Read Brihaspativar Vrat Katha in Hindi, Free ... Dec 30, 2015 Volkswagen doesn't have a mission statement.. Dwarkadheeshvastu.com provides services of Brihaspativar Vrat Katha in Hindi in pdf, Read Brihaspativar Vrat Katha in Hindi, Free Downlaod Brihaspativar Vrat .... Finished creating is an easy, brihaspativar vrat katha pdf app that helps you create an electronic diary, with text, images, and even. Vrat Vidhi ... Download Brihaspativar Vrat Katha mp3 musik. Reading Free ... 30 Day Replacement Guarantee.. 18 May 2016 - 18 min - Uploaded by Bhakti Bhajan KirtanBrihaspativar Vrat Katha | "गुरुवार व्रत कथा " | Thursday Fast | Bhakti Bhajan Kirtan. Bhakti Bhajan Kirtan .... 2 Feb 2017 ... A complete seven days vrat stories. इस ऍप में सातों वारों की व्रत करने की वधि, कथा, आरती , उद्यापन एवं व्रत करने से .... 27 Jun 2013 ... Brihaspati Vrat Katha, Thursday Fast and Vrat Katha - Observance of this fast brings fulfillment of all wishes and Brihaspati God becomes happy .... 8 अप्रैल 2010 ... श्री बृहस्पतवार व्रत कथा Shri Brihaspativar Vrat Katha ..... 7 जून 2018 को 10:30 am; Pathways lyallpur said... Prem she bolo .... Download Ravivar Vrat Katha apk 1.0.1 and all version history for Android. Ravivar Vrat Katha. ... Using APKPure App to upgrade Ravivar Vrat Katha, fast, free and save your internet data. Ravivar Vrat ... Update on: 2017-07-30. Signature: ... Brihaspativar Vrat Katha ... WPS Office - Word, Docs, PDF, Note, Slide & Sheet APK.. 4 Mar 2018 ... Story of jivantika maa vrat in hindi pdf. मगलवर वरत कथ Tuesday Vrat Katha - Tuesday Fast Story in Hindi. Vrat Katha in Hindi Thursday Fast .... Find Saptvar Vrat Katha book and more details of all books at godsutra.com. ... Rs. 500. Brihaspativar Vrat Katha. Rs. 30. Shanivar Vrat Katha. Rs. 12 ... Saptvar Vrat Katha. Based on 0 write a review. Rs. 30. Availability: In Stock ... books are NOT available for reading online or for free download in PDF or ebook format. 09d653b45f